दिनांक 26/12/2018 को आयोजित हुई शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर की विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक का कार्यवृत्त :

दिनांक 26/12/2018 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर की विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक श्री माना राम बालोच,भा॰व॰से॰,निदेशक की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में निम्नानुसार उपस्थिति रही -

01.	श्री माना राम बालोच	अध्यक्ष व निदेशक
02.	डॉ. रंजना आर्या	समूह समन्वयक (शोध)
03.	श्री उमा राम चौधरी	प्रभागाध्यक्ष, विस्तार प्रभाग
04.	डॉ. तरुण कान्त	प्रभागाध्यक्ष, वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष सुधार प्रभाग
05.	डॉ. महेश्वर टी. हेगड़े	प्रभागाध्यक्ष, वन संवर्धन एवं प्रबंधन प्रभाग
06.	श्री शेरा राम बालोच	वैज्ञानिक - सी
07.	श्री ए. दुरई	स.मु.त. अधिकारी, हिन्दीतर सदस्य
08.	श्री नरेंद्र कुमार श्रृंगी	लेखा अधिकारी
09.	श्रीमती सरोज सिसोदिया	पू.सू.सहायक
10.	श्री कैलाश चन्द गुप्ता	सदस्य सचिव व हिन्दी अधिकारी
11.	श्री अजय वशिष्ठ	क. हिन्दी अनुवादक

सदस्य सचिव ने बैठक में अध्यक्ष महोदय एवं उपस्थित सदस्यगण का स्वागत किया तथा दिनांक 27/09/2018 की पिछली बैठक के कार्यवृत्त को सदस्यगण के संज्ञान में लाया गया जिस पर चर्चा हुई तथा उसकी पुष्टि मान ली गई।

बैठक में सदस्यगण को अवगत कराया गया कि ***भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून के अधीन 'क' क्षेत्र में स्थित संस्थानों में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वर्ष 2017-18 का "भा.वा.अ.शि.प. राजभाषा पुरस्कार" शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर (राजस्थान) को प्रदान किया गया है।*** *इस उपलब्धि के लिए अध्यक्ष महोदय ने संस्थान के सभी कार्मिकों के योगदान की सराहना करते हुए बधाई दी।*

01. बैठक में पूर्व में हिन्दी लघु फिल्म बनाए जाने पर हुई कार्रवाई की समीक्षा हुई जिसमें प्रगति नहीं पाई गयी । इस संबंध में यह चर्चा की गयी कि चन्दन विषय पर कार्य प्रारम्भिक अवस्था में चल रहा है इसलिए खेजड़ी,रोहिड़ा जैसी महत्व की वृक्ष प्रजातियों तथा लवणीय भूमि के हुए सुधार कार्यों आदि पर लघु फिल्म बनायी जाए तथा पूर्ण हुए कार्यों के साथ जो कार्य अभी चल रहे हैं उनका जिक्र भी फिल्म में हो। डॉ. तरुण कान्त वैज्ञानिक - एफ ने इस तरह के कार्यों हेतु फंडिंग एजेंसियों से सहयोग के लिए संभावना तलाशने का सुझाव दिया जिसे सरसरी तौर पर मान लिया गया तथा इस दिशा में पहल करने का अनुरोध किया गया ।

कार्रवाई : डॉ. नवीन कुमार बौहरा/संबन्धित समस्त प्रभागाध्यक्ष/डॉ. तरुणकान्त

03/01/2019

02. प्रभागों के नाम,नाम पट्टिका,मोहरों की द्विभाषिक स्थिति की समीक्षा के दौरान अध्यक्ष महोदय ने कहा कि प्रभागों के नाम में हुए बदलाव के मद्देनजर सभी प्रभागाध्यक्षों को पत्र लिखा जाए कि वे अपने प्रभाग का नाम व अधिकारियों का पद नाम द्विभाषी में करने की कार्रवाई सुनिश्चित करावें। द्विभाषी पैटर्न का क्रम पहले हिन्दी तथा बाद में अंग्रेजी रहेगा।

कार्रवाई: सभी प्रभागाध्यक्ष/भंडार/हिन्दी अनुभाग

03. हिन्दी सप्ताह -2018 पर हुई चर्चा में स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता के स्वरचित होने के संबंध में यह भी सुझाव दिया गया कि भविष्य में कविता के कुछ विषय पूर्व में दिये जा सकते हैं जिन पर प्रतियोगी कविता की रचना करें जिससे मौलिक लेखन तथा सृजनात्मकता को बढ़ावा मिलेगा। **कार्रवाई:** सभी प्रभाग/अनुभाग/हिन्दी अनुभाग

04. बैठक में फाइलों पर हिन्दी में होने वाली नोटिंग के संबंध में महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के आदेश को संज्ञान में लाया गया तथा चर्चा की गयी कि जिन फाइलों पर हिन्दी में नोटिंग शुरू हुई है उन पर क्रमश: हिन्दी में नोटिंग की जाए। फाइलों पर हिंदी में नोटिंग को बढ़ावा दिये जाने के लिए सभी स्तर के अधिकारियों की पहल होना जरूरी है। **कार्रवाई:** सभी प्रभाग/अनुभाग

05. 'आफरी दर्पण' हिंदी पत्रिका के प्रकाशन संबंध में विचार विमर्श में निदेशक महोदय ने निर्देश दिया कि शीघ्र ही पत्रिका के संपादक मण्डल की एक बैठक आयोजित की जाए तथा पत्रिका कि समीक्षा हेतु सभी से विचार आमंत्रित किए जाएँ।

कार्रवाई: संपादक,प्रभागाध्यक्ष,विस्तार प्रभाग

06. बैठक में आगे यह बात सामने आई कि संस्थान के अधिकतर स्थानों पर उपयुक्त स्थान विशेष के अनुसार चित्रों का अभाव है। अतिथि गृह,छात्रावास,संगोष्ठी कक्ष,स्वागत पटल आदि स्थानों पर उपयुक्त चित्र नहीं है जिनमें हिन्दी में भी जानकारी लिखी हो। साथ ही आफरी परिसर में विभिन्न प्रकार के वृक्ष लगे हैं जिनपर उनकी सम्यक नाम पट्टिकाएँ नहीं लगी हैं हिन्दी में वृक्ष का नाम ऊपर व नीचे उनके वानस्पतिक नाम लिखी पट्टिकाएँ लगवाए जाने का निर्देश दिया गया जिससे परिसर के निवासियों एवं आगंतुकों को वृक्षों की सही व समुचित जानकारी प्राप्त हो सके। अध्यक्ष महोदय का सुझाव था कि संस्थान के अतिथि गृह एवं अन्य भवनों का विशेष नामकरण पर विचार हो तथा द्विभाषी में उन्हे प्रदर्शित करें। साथ ही आगंतुक कक्ष में संस्थान की गतिविधियों संबंधी डिसप्ले सुविधा उपलब्ध की जाए। संस्थान के अधिदेश (मैंडेट) तथा विजन को द्विभाषी में संस्थान में मुख्य-मुख्य जगहों पर प्रदर्शित किया जाए।

कार्रवाई: प्रभागाध्यक्ष सुविधा एवं सेवा /प्रभागाध्यक्ष

03/01/2019

07.30 सितंबर, 2018 को समाप्त तिमाही का हिन्दी पत्राचार 79.74 प्रतिशत तथा फाइलों पर हिन्दी में कार्य 82 प्रतिशत रहा। 'क' व 'ख' क्षेत्रों को ज्यादा से ज्यादा पत्र मूल रूप से हिंदी में लिखने तथा 'ग' क्षेत्र को भी लक्ष्य अनुरूप हिंदी पत्र भेजने की अपेक्षा की गयी वहीं शोध संबंधी पत्राचार में भी हिंदी को बढ़ावा दिये जाने की पहल करने को कहा गया । साथ ही अंग्रेजी में प्राप्त होने वाले पत्रों का जबाव ज्यादा से ज्यादा हिंदी में दिया जाए जो कि हिंदी पत्राचार की दिशा में प्रभावी कदम होगा। **कार्रवाई:** सभी प्रभाग/अनुभाग

08. पूर्व में लिए गए निर्णय अनुसार बैठक में दोहराया गया कि संस्थान के प्रभाग/अनुभाग समय-समय पर हिंदी प्रयोग की समीक्षा करते रहें तथा अपने सुझावों/प्रस्तावों से विभागीय रा.भा.कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकों में अध्यक्ष महोदय के संज्ञान में लाएँ ताकि उन पर विचार हो सके। प्रभागाध्यक्ष, विस्तार प्रभाग की इस संबंध में की जा रही कार्रवाई को बैठक में सराहा गया। **कार्रवाई:** सभी प्रभाग/अनुभाग

बैठक के अंत में संस्थान की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रंजना आर्या जिनकी माह जनवरी, 2019 में सेवा निवृत्ति होनी है का समिति ने उनके कार्यकाल के दौरान राजभाषा हिन्दी के विकास के प्रति समर्पित भाव रखने एवं उनके वैज्ञानिक क्षेत्र में अधिकाधिक हिंदी प्रयोग हेतु तत्पर रहने की सक्रिय भूमिका के लिए आभार व्यक्त किया।

धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक का कार्यवृत्त अध्यक्ष महोदय के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है।

03/01/2019

(कैलाश चन्द गुप्ता)
सदस्य सचिव
विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान , जोधपुर